PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Wed, 14 Jun 2017, Page 2
Width: 21.88 cms, Height: 12.65 cms, a4r, Ref: 44.2017-06-14.26

भारत-बंगलादेश बॉर्डर से नहीं हो सकेगी घुसपैठ

कोलकाता, (भाषा): पश्चिम बंगाल के सुंदरवन में बंगलादेश के साथ लगती नदी के किनारे पर जल्द ही इंफ्रारेड खंभे और स्मार्ट सेंसर्स लगाए जाएंगे ताकि लगातार होने वाली घुसपैठों और तस्करी को रोका जा सकें। बीएसएफ ने कहा कि इंफ्रारेड खंभों और स्मार्ट सेंसर्स सीमा पार से अपराधों की बढ़ती समस्या का तकनीकी जवाब है। बीएसएफ, दक्षिण बंगाल ने कहा कि इन उपकरणों को पहले ही तैनात कर दिया गया है और अगले तीन महीनों में मानसून खत्म हो जाने के बाद इन उपकरणों को चालू कर दिया जाएगा। एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना पहले सीमा पर तीन-चार किलोमीटर तक के क्षेत्र में शुरू की जाएगी।

अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना अगले तीन महीने में शुरू हो जाएगी क्योंकि हम मानसून के खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद हम दिसंबर तक इन उपकरणों का अवलोकन करेंगे। अगर हर चीज सही रही तो नई प्रणाली जनवरी 2018 से स्थायी तौर पर शुरू हो जाएगी। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, प्रति किलोमीटर के लिए इंफ्रारेड खंभों को लगाने पर करीब 25-30 लाख रुपये का खर्चा आएगा। एक अन्य बीएसएफ अधिकारी ने कहा कि हालांकि फंड हमेशा चिंता का विषय होता है लेकिन हम सीमा पर 3-4 किलोमीटर तक दायरे को बढ़ाएंगे जहां विपरीत परिस्थितियों वाला इलाका होने के कारण सही तरीके से बाड़बंदी नहीं की गई है। 4,096 किलोमीटर वाली भारत-बंगलादेश सीमा का 2,216.7 किमी. इलाका पश्चिम बंगाल में है जिसमें से 300 किमी. सुंदरवन में बंगलादेश के साथ लगती तटीय सीमा है।

अधिकारी ने कहा कि इंफ्रारेड खंभे और स्मार्ट सेंसरों को उपग्रह आधारित सिग्नल कमांड सिस्टम के जरिए निगरानी की जाएगी। इसमें रात में और कुहरे में भी नजर रखने वाले उपकरण होंगे।